मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम 0 ए 0 प्रथम वर्ष ,सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि..... **15 मई 2016**

कोर्स शीर्षक - वेद एवं निरूक्त **कोर्स कोड - एमएएसएल 101**

प्रोग्राम कोड - एम. ए. एस. एल -12 **अधिकतम अंक - 40**

सत्र - 2015 - 16

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड ' क' में आठ प्रश्न दिये गये हैं। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड ' ख ' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड ' क '

1. इन्द्र के स्वरूप का वर्णन कीजिए ।
2. उषा कौन है ? किन्हीं दो मन्त्रों के आधार पर चित्रण कीजिए ।
3. नासदीय सूक्त का महत्व लिखिए।
4. इन्द्र सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।
5. निरूक्त किसे कहते है ? वेदांगों में इसका स्थान व महत्व क्या है ।
6. मन्त्र सार्थक है या निरर्थक, स्पष्ट कीजिए ।
7. उपसर्ग व यौगिक शब्दों को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए ।
8. निघण्टु क्या है । संक्षेप में निघण्टु के महत्व को लिखिए।

खण्ड 'ख'

1. उपनिषदों की प्रतिपादन शैली क्या है ? विस्तार से लिखिए ।
2. सामवेद से सम्बन्धित उपनिषदों का वर्णन कीजिए ।
3. विद्या और अविद्या के स्वरूप को बताकर उसके समुच्चय पर प्रकाश डालिये ।
4. शिक्षा क्या है ? वेदांगों में इसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालिए।